DEPARTMENT OF HINDI

The revised syllabus for M.A. (Hindi) Programme (formed as CBCS & new guide lines)

- It is Four Semesters Programme with CBCS.
-Total numbers of Courses in four semesters = 20 (05 in each Semester)
- Number of Core Courses = 13
- Number of Elective Courses = 02
- Number of Open Courses = 02
- Number of Foundation Courses = 02
- Term Paper = 01
- Credit for each Course = 06 (05 Credits for Lectures & 01 Credit for Tutorial)
- Units in each Course = 05 Units
- Contact hours for each Course = 50 (Per week for each course 05 Lecturers & 01 Tutorial)
- Marks for each Course =100 {30 Marks for C C A (15 Marks for Internal Assessment, 10 Marks for Seminar/assignment etc & 05 Marks for Class Attendance) & 70 Marks for End Semester Exams (ESE)}
- Pass Marks for each Course = 40 {12 Marks for C C A+28 Marks for End Semester Exams (ESE)}
- Duration of each Course in End Semester Exam = 03hours.

Note : - Both of **Open Courses** are offered in the Semester II : HIN-203& HIN-204. Students are expected to have at least Six Credit(One Course) and at the most Twelve Credits (Two Courses).

- **Two Elective Courses** are to be chosen out of **sets of electives.** One is to be chosen in Semester III : HIN- 304 and the other in Semester IV : HIN-403.
- Two Courses are as a **Foundation Courses**. One is in semester I: HIN-102 and the other is in semester III : HIN-305
- Remaining 13 Courses are as Core Courses and one is Term Paper

The general format of the course is as follows:

Courses in First Semester

I - Core Course	HIN-101 :	Hindi Sahitya Ka Itihas –I (Aadikal Aur Madhyakal)	: हिंदी साहित्य का इतिहास–I (आदिकाल और मध्यकाल)
II - Foundation Course	HIN-102 :	Bhasha Vigyan	: भाषा विज्ञान
III - Core Cours	HIN-103 :	Aaadikaleen Kavya	: आदिकालीन काव्य
IV- Core Course	HIN-104 :	Bhakti Kavya	: भक्ति काव्य
V - Core Course	HIN-105 :	Natak Aur Nibandh	: नाटक और निबंध

Courses in Second Semester

I - Core Course	HIN-201 :	Bhartiya Kavyashastra	: भारतीय काव्यशास्त्र
II - Core Course	HIN-202 :	Reetikaleen Kavya	: रीतिकालीन काव्य
III - Open Course	HIN-203 :	Hindi Sahitya Aur Cinema	: हिन्दी साहित्य और सिनेमा
IV - Open Course	HIN-204 :	Adhunik Hindi Sahitya Ke Vaicharik Adhar	: आधुनिक हिन्दी साहित्य के वैचारिक आधार
V - Core Course	HIN-205 :	Katha Sahitya	: कथा साहित्य

Courses in Third Semester

I - Core Course	HIN- 301 :	Hindi Sahitya Ka Itihas –II (Aadhunik Kal)	: हिदी साहित्य का इतिहास–II (आधुनिक काल)
II - Core Course	HIN-302 :	Aadhunik Kavya (Chhayavad Tak)	: आधुनिक काव्य (छायावाद तक)
III - Core Course	HIN-303 :	Pashchatya Sameeksha Siddhanta	: पाश्चात्य समीक्षा–सिद्धान्त
IV - Elective Course	HIN-304-I :	Samkaleen Bhartiya Sahitya	: समकालीन भारतीय साहित्य
		Or	**अथवा**
	HIN-304-II :	Sahitya Anuvad Ke Samanya Siddhanta	: साहित्य अनुवाद के सामान्य सिद्धांत
		Or	**अथवा**
	HIN-304-III :	Poorvottar Bharat Aur Hindi	: पूर्वोत्तर भारत और हिंदी
V- Foundation Course	HIN- 305 :	Sahitya-Chintan Ke Vividh Vad	: साहित्य–चिंतन के विविध वाद

Courses in Fourth Semester

I – Core Course	HIN- 401 :	Hindi Alochna	: हिन्दी आलोचना
II - Core Course	HIN- 402 :	Aadhunik Kavya (Chhayavad Ke Bad)	: आधुनिक काव्य (छायावाद के बाद)
III- Elective Course	HIN-403–I :	Sahityakar Vishesh : Kabirdas	: साहित्यकार विशेष : कबीरदास
		Or	**अथवा**
	HIN-403–II :	Sahityakar Vishesh : Surdas	: साहित्यकार विशेष : सूरदास
		Or	**अथवा**
	HIN-403–III :	Sahityakar Vishesh : Tulsidas	: साहित्यकार विशेष : तुलसीदास
		Or	**अथवा**
	HIN-403–IV :	Sahityakar Vishesh :Premchand	: साहित्यकार विशेष : प्रेमचंद
		Or	**अथवा**
	HIN-403–V:	Sahityakar Vishesh: Suryakant Tripathi 'Nirala'	: साहित्यकार विशेषः सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

IV – Core Course	HIN-404 : Samkaleen Hindi Sahitya	: समकालीन हिन्दी साहित्य
V - Term Paper	HIN-405 : Term Paper	: टर्म पेपर

Other detailed instructions are given in the syllabus and the detailed syllabus is enclosed here with.

(**Prof.S.P. Singh Chauhan**)
Head, Department Of Hindi , A.U.S. &
Chairman , B. .P.G.S. in Hindi A.U.S

.

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

First – Semester

HIN-101 : Hindi Sahitya Ka Itihas – I

(Aadikal Aur Madhyakal)

हिंदी साहित्य का इतिहास-I

(आदिकाल और मध्यकाल)

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : साहित्येतिहास लेखन एवं आदिकाल

1.1– साहित्येतिहास की अवधारणा।

1.2– हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।

1.3– हिंदी साहित्य के इतिहास में काल–विभाजन एवं नामकरण की समस्या (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल के संदर्भ में)।

1.4– आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक)

1.5– आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण (सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य तथा रासो साहित्य एवं अन्य अलौकिक साहित्य) तथा उसका सामान्य परिचय।

इकाई दो : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

2.1– भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, आर्थिक, आर्थिक, धार्मिक एवं दार्शनिक)

2.2– भक्ति आंदोलन के उदय के कारण ।

2.3– भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप।

इकाई तीन : निर्गुण भक्तिकाव्य परंपरा

3.1– निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा का वैचारिक आधार ।

3.2– निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा के प्रमुख कवियों (कबीरदास, रैदास, गुरुनानक देव, दादूदयाल एवं सुंदरदास) का सामान्य परिचय।

3.3– निर्गुण ज्ञानमार्गी संतकाव्य परंपरा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3.4– निर्गुण प्रेममार्गी (सूफ़ी) काव्य परंपरा का वैचारिक आधार।

3.5– निर्गुण प्रेममार्गी (सूफ़ी) काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों (मुल्ला दाउद, कुतुबन, मंझन, मलिक मुहम्मद 'जायसी' एवं उसमान) का सामान्य परिचय।

3.6– निर्गुण प्रेममार्गी (सूफी) काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई चार : सगुण भक्तिकाव्य परंपरा

4.1– राम भक्तिकाव्य परंपरा और उसका वैचारिक आधार।

4.2– रामभक्ति काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों (रामानंद, तुलसीदास, अग्रदास एवं नाभादास) का सामान्य परिचय।

4.3– रामभक्त कवि के रूप में तुलसीदास का वैशिष्ट्य।

4.4– कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा। प्रमुख वैष्णव आचार्य और कृष्ण भक्ति का वैचारिक आधार।

4.5– अष्टछाप एवं कवि सूरदास का वैशिष्ट्य। कृष्ण भक्त कवि के रूप में रसखान एवं कवयित्री मीराबाई ।

4.6– कृष्णभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई पाँच : रीतिकालीन काव्य :

5.1– रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि (राजनीतिक एवं दरबारी, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं साहित्यिक)

5.2– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य ।

5.3– रीतिकाल के प्रमुख कवियों (केशवदास, मतिराम, भूषण, देव, भिखारीदास, पद्माकर, बिहारी, घनानंद, बोधा, आलम एवं ठाकुर) का सामान्य परिचय।

5.4– रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

5.5– रीतिकाल की देन।

निर्देश : 101 : हिंदी साहित्य का इतिहास – I

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

   ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

   ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए = 5X10 =50 अंक एवं पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के लिए =5X 04 = 20 अंक तथा कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 101 : हिंदी साहित्य का इतिहास – I

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ0 शंभूनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

4. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद,वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
6. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
8. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के संदर्भ में : डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. गोरखवाणी : परम्परा और काव्यत्व : मनीषा शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं0), साहित्य भवन, इलाहाबाद
11. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
12. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
13. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ0 कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
17. मन खंजन किसके : मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन,रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, न.दि.।
18. मध्यकालीन कवि और कविताः रतन कुमार, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53
19. भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्त काव्य : सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र.।
19. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
20. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द(सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
21. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
22. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

——0——

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

First – Semester

HIN-102 : Bhasha Vigyan

भाषा विज्ञान

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : भाषा और भाषा विज्ञान :

1.1– भाषा की परिभाषा। भाषा की विशेषताएँ। 'भाषा' एवं 'वाक्' में अन्तर।

भाषिक संरचना के विभिन्न स्तरः (i)अर्थ, (ii)प्रोक्ति, (iii)वाक्य, (iv)रूप, (v) शब्द, (vi)ध्वनि।

भाषा के प्रमुख विविध रूप : मूल भाषा, व्यक्ति बोली, बोली, मानक भाषा, संपर्कभाषा राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं कृत्रिम भाषा ।

1.2– भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप। भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ : अर्थविज्ञान, प्रोक्तिविज्ञान, वाक्यविज्ञान, रूपविज्ञान, शब्दविज्ञान, ध्वनिविज्ञान।

भाषा विज्ञान के प्रमुख प्रकार और क्षेत्र : सामान्य भाषा विज्ञान, वर्णनात्मक भाषा विज्ञान, एककालिक भाषा विज्ञान एवं बहुकालिक भाषा विज्ञान, तुलनात्मक भाषा विज्ञान एवं व्यतिरेकी भाषाविज्ञान, सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान। समाजभाषा विज्ञान। मनोभाषा विज्ञान।

भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व।

इकाई दो : भाषाओं का वर्गीकरण :

2.1– भाषाओं के वर्गीकरण के आधार। संसार की भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण। संसार की भाषाओं का पारिवारिक वर्गीकरण।

2.2– आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय।

2.3– हिन्दी भाषा : क्षेत्र, प्रमुख बोलियाँ और उनका सामान्य परिचय।

इकाई तीन : ध्वनि विज्ञान :

2.1– ध्वनि विज्ञान से तात्पर्य। ध्वनि अध्ययन के आधार : उच्चारण, प्रसरण और श्रवण। ध्वनियों का वर्गीकरण : स्वर और व्यंजन ध्वनि में अंतर। स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण। खंड्येत्तर ध्वनियाँ अथवा ध्वनि गुण : मात्रा, बालाघात, सुर, अनुतान, संगम या संहिता। अनुनासिकता। अक्षर एवं आक्षरिक संरचना।

2.2– स्वनिम विज्ञान : स्वनिम विज्ञान से तात्पर्य, स्वनिम एवं उपस्वन। स्वनिम के भेद तथा हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था।

2.3– ध्वनि परिवर्तन के कारण। ध्वनिपरिवर्तन का स्वरूप या उनकी दिशाएँ।

इकाई चार : रूप विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान

4.1– रूप विज्ञान से तात्पर्य। 'रूप' की संकल्पना। संरूप। रूप और शब्द। रूप के प्रकार। रूप साधक एवं शब्द साधक रूप। रूपिम। शब्द के प्रकार एवं शब्द वर्ग। पद की संकल्पना।

4.2– रूप परिवर्तन के कारण। रूप परिवर्तन की दिशाएँ या प्रकार।

4.3– अर्थ विज्ञान से तात्पर्य। शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ–परिर्वतन के कारण। अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ या प्रकार ।

इकाई पाँच : वाक्य विज्ञान

5.1 वाक्य विज्ञान से तात्पर्य। वाक्य की परिभाषा एवं वाक्य का स्वरूप। वाक्य के अंग।

5.2– वाक्य रचना : वाक्य रचना के स्तर : उपवाक्य एवं पदबंध। पदक्रम । अन्वय। आगम एवं लोप। वाक्यों के प्रकार।

5.3– वाक्य –रचना में परिवर्तन के कारण। वाक्य रचना में परिवर्तन की दिशाएँ। ।

निर्देश : 102 : भाषा विज्ञान

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

   ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

   ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए = 5X10 =50 अंक एवं पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के लिए =5X 04 = 20 अंक तथा कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 102 : भाषा विज्ञान :

1. भाषाशास्त्र और हिंदी भाषा की रूपरेखा : डॉ देवेन्द्र कुमार शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिंन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. सामान्य भाषा विज्ञान : नारंग वैश्ना, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
6. हिंदी भाषा का इतिहास और संरचना : हरिश्चंद्र पाठक, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. स्वनिम विज्ञान और हिंदी की स्वनिम व्यवस्थाः शारदा भसीन, आर्य बुक डिपो नयी दिल्ली।
8. राजभाषा हिंदी विकास के विविध आयाम : मलिक मोहम्मद, राजपाल, दिल्ली।
9. मानक हिंदी संरचना और प्रयोग : राम प्रकाश, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
10. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
11. हिंदी भाषा संरचना और प्रयोग : रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा भोलानाथ तिवारी, नेशनल, नयी दिल्ली।

12. हिंदी भाषा का रूपिमीय विश्लेषण : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा, अंशुकमल प्रकाशन, पटना।
13. प्रमुख बिहारी बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन : त्रिभुवन ओझा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. खड़ी बोली का व्याकरणिक विश्लेषण : तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।
15. हिंदी और उसकी विविध बोलियाँ : दीपचंद्र जैन तथा कैलाश तिवारी, म0 प्र0 हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
16. भोजपुरी भाषा और साहित्य : उदयनारायण तिवारी, राष्ट्रभाषा परिषद, बिहार।
17. समाजभाषा विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग : हरीश शर्मा, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद।
18. हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन : सत्यव्रत, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद।
19. अवधी : बाबूराम सक्सेना : नागरी प्रचारिणी, वाराणसी।
20. ब्रजभाषा : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा : हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।

—0—

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

First – Semester

HIN-103 : Aadikaleen Kavya
आदिकालीन काव्य

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : सरहपाद

निर्धारित पाठ सरहपाद : दोहाकोष , सभी बीस दोहे।

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **आदिकालीन काव्य** : सं0 वासुदेव सिंह

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई दो : गोरखनाथ

निर्धारित पाठ गोरखनाथ – सबदी, सभी बीस सबद।

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **आदिकालीन काव्य** : सं0 वासुदेव सिंह

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई तीन : चन्दबरदाई

निर्धारित पाठ – पदमावती समय

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **आदिकालीन काव्य** : सं0 वासुदेव सिंह :

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई चार : विद्यापति

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : **'विद्यापति पदावली'**, संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी।

प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्धारित पाठ : पद संख्या 04, 12, 33, 59, 63, 87, 141, 152, 175,

217, 234, 250, 252, 255, एवं 263 = कुल पंद्रह पद।

इकाई पाँच : अमीर खुसरो

निर्धारित पाठ : गजल – 1, फारसी–हिंदी मिश्रित छंद (1 एवं 2)

गीत (1 एवं 2) तथा मुकरियाँ (1, 2, 3, 4 एवं 5)

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : 1. **अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य** :

सं0 भोला नाथ तिवारी, प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश आदिकालीन काव्य

1.क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएँ करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 103 : आदिकालीन काव्य

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ0 शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के संदर्भ में : डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. गोरखवाणी : परम्परा और काव्यत्व : मनीषा शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं0), साहित्य भवन, इलाहाबाद
9. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
10. पृथ्वीराज रासो भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
11. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
12. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. विद्यापति के गीत : सं0 नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. विद्यापति का काव्यलोक : श्री नरेन्द्र नाथ दास, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
15. विद्यापति : अनुशीलन और मूल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द(सं.) , मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1

——0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

First –Semester

HIN- 104 : Bhakti Kavya

भक्ति काव्य

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) =40

इकाई एक : कबीरदास

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **'कबीर ग्रंथावली'** संपादक– डॉ. श्याम सुंदरदास
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

निर्धारित पाठ :

(अ) पच्चीस साखियाँः गुरुदेव को अंग– 03, 08, 10, 11 एवं 15 ।
सुमिरन को अंग– 04, 12, एवं 27 ।
विरह को अंग– 01, 03, 07,11, 21 एवं 45 ।
काल का अंग– 01, 05, 14, 31 एवं 32 ।
माया को अंग– 06, 07 एवं 11 ।
मन को अंग– 19, 20 एवं 26 ।

(ब) पाँच पद : पद संख्या– 1, 16, 40, 43 एवं 64 ।

इकाई दो : मलिक मुहम्मद जायसी

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **जायसी ग्रंथावली** : सं0 रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।

निर्धारित पाठ : नागमती वियोग खण्ड।

इकाई तीन : तुलसीदास

(अ) **'श्रीरामचरितमानस'** गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर में से
निर्धारित पाठ : **बालकाण्ड से** (दोहा क्रमांक 227 से प्रारंभ करके 236वें दोहे तक, चौपाइयों सहित)

(ब) **'विनय पत्रिका'** : गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर में से
निर्धारित आठ पद : 1. तू दयालु दीन हौं तू दानि, 2. अबलौं नसानी अब न नसैंहों,
3. ऐसो को उदार जग माहीं, 4. कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो,
5. जाके प्रिय न राम वैदेही, 6. कबहुँक अंब अवसर पाइ,
7. कह्यो न परत बिन कहे एवं 8. श्री रामचंद्र कृपालु भजु मन।

इकाई चार : सूरदास

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **सूर सौरभ :** सं0 नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर

निर्धारित कुल तेरह पद : 1.अविगत गति कछु कहत न आवै, 2. मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै
3. तज मन हरि विमुखन को संग 4. मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैंहों,
5. बूझत श्याम कौन तू गोरी, 6. अँखिया हरि के हाथ बिकानी,
7.मधुवन तुम कत रहत हरे, 8. निसदिनबरसत नैन हमारे
9. मधुकर कौन देश को वासी 10. अँखियाँ हरिदर्शन की प्यासी
11. आए जोग पठावन पांडे12. निरगुन कौन देश को वासी
13. ऊधो मन नाहीं दस बीस।

इकाई पांच : मीरा बाई

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **मीराँ माधव** , सं0 नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर में से निर्धारित दस पद : 1.मेरे तो गिरधर गोपाल 2. आली रे मेरे नैनन बान 3. करम की गति न्यारी 4.गोविंद का गुन गास्याँ, 5. जो तुम तोड़ो पिया, मैं नहीं तोडू 6.पायो जी मैंने राम रतनधन पायो 7. बरसे बदरिया सावन की 8. बादल देख डरी 9. होरी खेलत है गिरधारी 10. पग घुँघरू बांध मीरा नाची रे।

निर्देश :

1.क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएं करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 104 : भक्तिकाव्य

1. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं0 बलदेव वंशी, आधार प्रकाशन, पंचकूला,हरियाणा।
2. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
3. कबीर और उनका दर्शन : डॉ0 रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, न0 दिल्ली।
4. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी की निर्गुण काव्ययधारा और कबीर : डॉ0 राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली–32
6. जायसीः विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
7. मलिक मुहम्मद जायसी : डॉ0 कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।
8. जायसी का अभिप्रत आशयः विजय शंकर मिंश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. सूरदास और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
10. सूर साहित्य : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
12. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली।
13. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन : सं0 अजय तिवारी, आधार प्रकाशन ,पंचकूला, हरियाणा।
15. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ0 लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
16. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
17. तुलसी : उदय भानु सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. विनय पत्रिका एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
19. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
20. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. मीरा का काव्यः विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
22. हिंदी की गीतिकाव्य परंपरा और मीरां : डॉ0 मंजु तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

23. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
24. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
25. मन खंजन किसकेः मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
26. भक्ति आंदोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्ति काव्य : सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र.।
27. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
28. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
29. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द(सं.) , मयूर पेपरबैक्स, ए–95 सेक्टर –नौएडा –1

————0————

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

First – Semester

HIN-105 : Natak Aur Nibandh

नाटक और निबन्ध

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : हिन्दी नाटक एवं निबंध का उद्‌भव और विकास

(अ)हिन्दी नाटक और रंगमंच का उद्‌भव और विकास : भारतेन्दु युग, प्रसाद युग और प्रसादोत्तर युग।

(ब)हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव और विकास : शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग और शुक्लोत्तर युग।

इकाई दो : नाटक

(अ) 'भारत दुर्दशा' (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)

(ब) 'चन्द्रगुप्त' (जयशंकर प्रसाद)

इकाई तीन : नाटक

(अ) 'आषाढ़ का एक दिन' (मोहन राकेश)

(ब)'संशय की एक रात' (नरेश मेहता)

इकाई चार : निबंध

(अ) सरदार पूर्णसिंह : निर्धारित दो निबंध – 1.आचरण की सभ्यता, 2.मजदूरी और प्रेम ।

(ब) आचार्य रामचंद्र शुक्ल : निर्धारित दो निबंध – 1. करुणा, 2, कविता क्या है ।

(स) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : निर्धारित दो निबंध – 1. अशोक के फूल, 2. वसंत आ गया ।

इकाई पांच : निबंध

(अ) हरिशंकर परसाई : निर्धारित दो निबंध – 1.प्रेमचंद के फटे जूते , 2. विकलांग श्रृद्धा का दौर ।

(ब) कुबेरनाथ राय : निर्धारित दो निबंध – 1.शरद्–बाँसुरी, 2.विपन्न मराल ।

(स) निर्मल वर्मा : निर्धारित दो निबंध – 1.कला, मिथक और यर्थाथ, 2.परम्परा और इतिहास–बोध।

निर्देश : 105 : नाटक और निबंध

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। इसके साथ ही इकाई एक से दो लघूत्तरीय प्रश्न और इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच के अंतर्गत निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न करना होगा। इसके साथ ही इकाई एक से एक लघूत्तरी प्रश्न तथा इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच से एक–एक व्याख्या करनी होगी।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं लघूत्तरीय प्रश्न/प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा एक लघूत्तरी प्रश्न एवं चार व्याख्याएं = 5 X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 105 : नाटक और निबंध

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
2. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली।
3. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4भारत दुर्दशा : संवेदना और शिल्प : सिद्धनाथ कुमारख् अनुपम प्रकाशन, पटना.4
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता, प्रों0 रमेश गौतम, स्वराज्य प्रकाशन।
8. पाश्चात्य नाट्य दृष्टि और जयंशकर प्रसाद के नाटक : डॉ0 दिनेश कुमार गुप्त ,स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मोहन राकेश के नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन : अब्दुल सुभान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शनः जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत् : प्रो0 के0 डी0 पालीवाल, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
16. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : उषा सिन्हा, किताबघर, नयी दिल्ली– 17
17. भारत दुर्दशा : मूल्याँकन और मूँल्याकन : डॉ. विनय कुमार तिवारी, सुमति प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. समकालीन मूल्यबोध और संशय की एक रात : प्रो. सुरेश चंद्र, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, उ.प्र.।

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Second – Semester

HIN-201 : Bhartiya Kavyashastra

भारतीय काव्यशास्त्र

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : काव्य लक्षण, हेत , प्रयोजन एवं शब्द–शक्ति

1.1– काव्य का अर्थ और काव्य के लक्षण।

1.2– काव्य–हेतु ।

1.3– काव्य–प्रयोजन।

1.4– शब्द–शक्ति।

इकाई दो : रस संप्रदाय (रससिद्धान्त)

2.1– रस की परिभाषा। रस का स्वरूप, रस के अवयव और रस के प्रकार।

2.2– रस संप्रदाय(सिद्धात) के प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ।

2.3– रस सूत्र, रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार।

2.4– साधारणीकरण। सहृदय की अवधारणा।

इकाई तीन : अलंकार संप्रदाय (सिद्धान्त) एवं रीति संप्रदाय(सिद्धान्त)

3.1– अलंकार संप्रदाय(अलंकार सिद्धांत) : प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ। अलंकार और अलंकार्य।

3.2– अलंकारों के वर्गीकरण का सामान्य परिचय। अलंकार सिद्धांत का औचित्य।

3.3– रीति संप्रदाय(रीति सिद्धान्त) : रीति' का अर्थ। रीति सिद्धान्त के प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ।

3.4–आचार्य वामन का गुण विवेचन, गुण–रीति संबंध, रीति के भेद।

इकाई चार : ध्वनि संप्रदाय (सिद्धान्त)

4.1– ध्वनि से अभिप्राय, प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएँ।

4.2– ध्वनि के तारतम्य के आधार पर काव्य के भेद : ध्वनिकाव्य, गुणीभूत व्यंग्य काव्य एवं चित्र काव्य।

4.3– ध्वनि तथा अन्य काव्य तत्व।

इकाई पांच : वक्रोक्ति संप्रदाय (सिद्धान्त) एवं औचित्य संप्रदाय (सिद्धान्त)

5.1– वक्रोक्ति संप्रदाय(सिद्धान्त) के प्रवर्तक और मूल स्थापना ।

5.2– कुन्तक सम्मत वक्रोक्ति के प्रमुख छह भेद(वर्णविन्यास वक्रता, पदपूर्वार्ध वक्रता, पदपरार्ध वक्रता, वाक्य वक्रता, प्रकरण वक्रता एवं प्रबंध वक्रता)

5.3– वक्रोक्ति सिद्धान्त एवं अन्य काव्य तत्व।

5.4– औचित्य संप्रदाय (सिद्धान्त): प्रवर्तक, स्थापना एवं महत्त्व।

निर्देश : 201 : भारतीय काव्यशास्त्र

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2. क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

   ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

   ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 201 : भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. रस सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारतीय साहित्य शास्त्र : गणेश त्रयम्बक देशपाण्डे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 विश्वम्भवर नाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन,इलाहाबाद।
7. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्रों का तुलनात्मक अध्ययनः डॉ0 बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
8. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे
10. रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Second –Semester

HIN-202 : Reetikalin Kavya
रीतिकालीन काव्य

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

निर्धारित पाठ्य पुस्तक – **रीतिकालीन काव्यधारा,**
संपादक – डॉ. रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई एक : केशवदास

निर्धारित पाठ : पाठ्य पुस्तक से रामचन्द्रिका के अंतर्गत 'वनमार्ग में राम', रसिक प्रिया के अंतर्गत पहले छह कवित्त तथा कविप्रिया(ऋतुवर्णन)।

इकाई दो : बिहारी

निर्धारित पाठ : कुल 30 दोहे। पाठ्य पुस्तक से दोहा संख्या–1, 2, 5, 6, 7, 9, 13, 21, 22, 27, 28, 33, 35, 36, 37, 38, 39, 43, 53, 54, 58, 59, 62, 63, 67, 71, 72, 73, 74, 76 = कुल 30 दोहे।

इकाई तीन : देव

निर्धारित पाठ : कुल 15 पद। पाठ्य पुस्तक से पद संख्या : 5, 6, 10, 11, 13, 15, 20, 28, 29, 31, 33, 35, 40, 41, 49 = कुल 15 पद।

इकाई चार : भूषण

निर्धारित पाठ : कुल 15 पद। पाठ्य पुस्तक से पद संख्या : 9, 10, 11, 12, 14, 15, 16, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 30, 31 = कुल 15 पद।

इकाई पांच : घनानन्द

निर्धारित पाठ : कुल 15 पद। पाठ्य पुस्तक से पद संख्या : 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 19, 20, 21, 23 = कुल 15 पद।

निर्देश :

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2. क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएं करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा चार व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 202 : रीतिकालीन काव्य

1. हिंदी रीति साहित्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रीति काव्य के विविध आयाम : डॉ0 सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ0 चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली।
4. रीति युगीन काव्य : कृष्ण चंद्र वर्मा : पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद।
5. रीति काव्य की इतिहास दृष्टि : डॉ0 सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. केशव का आचार्यत्व : डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड संस दिल्ली।
7. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. बिहारी अनुशीलन : डॉ0 सरोज गुप्ता, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाराणसी।
10. बिहारी एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन , जयपुर।
11. घनानन्द ग्रंथावली : डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
12. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़, वाराणसी।
13. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सैना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Second – Semester

HIN-203 : Hindi Sahitya aur Cinema (Choiced Based Open Paper)
हिंदी साहित्य और सिनेमा

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : सिनेमा और समाज

1.1– संचार माध्यम और सिनेमा।

1.2– सिनेमा के इतिहास का सामान्य परिचय।

1.3– सिनेमा के सरोकार।

इकाई दो : साहित्य और सिनेमा के अन्तस्संबंध

2.2– साहित्य और सिनेमा का अन्तस्संबंध।

2.3– हिंदी साहित्य, समाज और हिंदी सिनेमा।

2.3– साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की चुनौतियाँ : ढाँचागत समस्या, कसौटियों की भिन्नता, लेखन और निर्देशन के समायोजन की समस्या, कथा और पटकथा लेखन से जुड़ी समस्याएँ, साहित्यिक कृति और फिल्म की अन्तर्वस्तु, तकनीक, भाषा और शिल्प आदि से संबन्धित।

इकाई तीन : हिंदी कथा साहित्य और हिंदी सिनेमा

3.1– हिंदी सिनेमा के विकास का संक्षिप्त परिचय और उसके सरोकार।

3.2– हिंदी सिनेमा में हिन्दी उपन्यासों और कहानियों के फिल्मांतरण की परंपरा।

3.3– हिन्दी उपन्यासों और कहानियों पर बनी हिंदी फिल्मों के अध्ययन के विभिन्न पहलू।

इकाई चार : हिन्दी कहानियों और उन पर बनी चयनित फिल्मों का तुलनात्मक अध्ययन

3.1–शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) – फिल्म : शतरंज के खिलाड़ी ।

3.2–तीसरी कसम(फणीश्वर नाथ रेणु) – फिल्म : तीसरी कसम।

3.3–मायादर्पण (निर्मल वर्मा) – फिल्मः माया दर्पण।

3.4–यही सच है (मन्नू भंडारी) – फिल्म : रजीनगंधा।

इकाई पाँच : हिन्दी उपन्यासों और उन पर बनी चयनित फिल्मों का तुलनात्मक अध्ययन

4.1–गोदान (प्रेमचंद) – फिल्म : गोदान ।

4.2–सारा आकाश (राजेन्द्र यादव) – फिल्म : सारा आकाश

4.3– आँधी (कमलेश्वर) – फिल्म : आँधी

निर्देश : 203 : हिंदी साहित्य और सिनेमा

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो – दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 203 : हिंदी साहित्य और सिनेमा

1. प्रहलाद अग्रवालः हिन्दी सिनेमा बीसवीं से इक्कीसवीं सदी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।

2.अनुपम ओझा : भारतीय सिनेमा सिद्धान्त , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

3.विष्णु खरे : सिनेमा पढ़ने के तरीके , प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।

4.मनमोहन चड्डा : हिन्दी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.जवरीमल पारख : लोकप्रिय सिनेमा और समाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स , दिल्ली।

6.जवरीमल पारख : हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।

7.विनोद भारद्वाज : सिनेमा, कल , आज और कल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

8. अरुण कुमार : सिनेमा और हिन्दी सिनेमा।

9. राही मासूम रजा : सिनेमा और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10. डॉ. चंद्रकांत मिसाल : सिनेमा और साहित्य के अन्तःसंबंध, हिन्दी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार, बिजनौर (उ.प्र.)

11. नवलकिशोर शर्मा : सिनेमा और साहित्य की संस्कृति, **शिल्पायन**,10295, लेन नं.1 वैस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली.32

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Second – Semester

HIN-204 : Adhunik Hindi Sahitya ke Vaicharik Aadhar (Choiced Based Open Paper)
आधुनिक हिंदी साहित्य के वैचारिक आधार

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : राम मनोहर लोहिया

निर्धारित पाठ : 1.राम, कृष्ण और शिव 2. हिंदी, अंग्रेजी और देशी भाषाएँ।

प्रस्तावित पुस्तक : 'भारत माता–धरती माता', प्रकाशक : लोकभारती, इलाहाबाद।

इकाई दो : डा. गोविन्द्र चन्द्र पाण्डेय

निर्धारित पाठ : 1. सम्भवामि युगे–युगे (सनातनता और ऐतिहासिकता)
2. धर्मस्य तत्त्वं निहितं गुहायाम् (नैतिक आदर्श और सामाजिक यथार्थ)

प्रस्तावित पुस्तक : 'भारतीय परम्परा के मूल स्वर प्रकाशक':नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

इकाई तीन : वासुदेव शरण अग्रवाल

निर्धारित पाठ : 1. जनपदीय अध्ययन की आंख 2. धरती।

प्रस्तावित पुस्तक : 'पृथिवी पुत्र' प्रकाशक : सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई चार : बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर

निर्धारित पाठ : जातिप्रथा उन्मूलन

प्रस्तावित पुस्तक : बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर : सपूर्ण वाङ्मय का खण्ड– 1
प्रकाशक : डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, 25 अशोकनगर, नई दिल्ली–1

इकाई पाँच : महात्मा गांधी

निर्धारित पाठ : 1.स्वराज्य क्या है ? 2. सभ्यता का दर्शन, 3.हिन्दुस्तान की दशा–(3) (हिन्दू–मुसलमान), 4. सच्ची सभ्यता कौन सी ? एवं 5. सत्याग्रह–आत्मबल

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक 'हिन्द स्वराज्य' (हिंदी संस्करण),प्र.सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली।

नोट : इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत सभी प्रश्न केवल पाठ केन्द्रित ही पूछे जायेंगे ।

निर्देश : 204 : आधुनिक हिंदी साहित्य के वैचारिक आधार

1.क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 204 आधुनिक हिंदी साहित्य के वैचारिक आधार

1. इंदुमति केलकर : डॉ. राममनोहर लोहिया : जीवन और दर्शन, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली ।
2. डॉ. राम विलास शर्मा : गाँधी, अम्बेडर, लोहिया और भारतीय इतिहास की समस्याएँ,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. रोमिला थापर, नासिर तैयबनी एवं अन्य : इतिहास की पुनर्व्याख्या, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. सव्यसाची भट्टाचार्य (संकलनकर्ता) : महात्मा और कवि, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
5. बिपिनचंद्र एवं अन्य : भारत का स्वतंत्रता संघर्ष, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।
6. के. दमोदरन : भारतीय चिंतन परंपरा, पी. पी. एच. नई दिल्ली।
7. मैनेजर पाण्डेय, अनभै साँचा, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. रामविलास शर्मा : पश्चिमी एशिया और ऋग्वेद, प्रका. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।
9. प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य, भारतीय ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।
10. रोमा रोलां : महात्मा गाँधी, जीवन और दर्शन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
11. ओंकार शरद (सं) : लोहिया के विचार, लोकभारती, इलाहाबाद।
12. मदनलाल मधु : गोर्की और प्रेमचंद, पी. पी. एच. नई दिल्ली।
13. रमेश कुंतल मेघ : मिथकता से आधुनिकता तक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. विष्णु प्रभाकर : गाँधी, समय, समाज और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. रामविलास शर्मा : इतिहास दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. रामविलास शर्मा : मानव सभ्यता का विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. शिवप्रसाद मिश्र : प्रेमचंद विरासत का सवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. ए. अरविंदाक्षन (सं.) : प्रेचंद के आयाम, राधाकृष्ण प्रका., नई दिल्ली।
19. भगवान सिंह : हड़प्पा सभ्यता और वैदिक साहित्य, राधाकृष्ण प्रका0, नई दिल्ली।
20. लोहिया : इतिहास चक्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
21. ताराचंद दीक्षित : लोहिया का समाजवादी दर्शन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

22. देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय : भारतीय दर्शन में क्या जीवन्त है और क्या मृत ? पी.पी.एच. नई दिल्ली।
23. भगवत शरण उपाध्याय : भारतीय संस्कृति के स्रोत, पी.पी.एच. नई दिल्ली।
24. पुश्किन की चुनी हुई रचनाएं, पी.पी.एच. नई दिल्ली।
25. कृष्ण कृपलानी : गाँधी एक जीवनी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
26. गुणाकर मुले : महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
27. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Second – Semester

HIN-205 : Katha Sahitya
कथा साहित्य

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : हिंदी उपन्यास एवं कहानी का उद्‌भव और विकास

(अ)– मध्यवर्ग का उदय और हिंदी उपन्यास। तिलस्मी – ऐय्यारी उपन्यास, आदर्शवादी उपन्यास, यथार्थवादी उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास एवं आँचलिक उपन्यास। समकालीन हिंदी उपन्यास।

(ब)–हिंदी कहानी का उद्‌भव और विकास : हिंदी की आरंभिक कहानियाँ, प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानी। मनोवैज्ञानिक कहानी, नई कहानी और हिंदी कहानी के विभिन्न आंदोलन तथा आठवें दशक के बाद हिन्दी कहानी ।

इकाई दो : प्रेमचंद और अज्ञेय

निर्धारित उपन्यास :

(अ)–'गोदान'(प्रेमचंद)

(ब)–*'शेखर एक जीवनी'–भाग एक* (अज्ञेय)

इकाई तीन : हजारी प्रसाद द्विवेदी और फणीश्वरनाथ रेणु

निर्धारित उपन्यास :

(अ)–'बाणभट्‌ट की आत्मकथा'(हजारी प्रसाद द्विवेदी)

(ब)–'मैला आँचल' (फणीश्वरनाथ रेणु)

इकाई चार : कहानीकार : चंद्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय और यशपाल।

निर्धारित छह कहानियाँ : 1. उसने कहा था (गुलेरी), 2. ठाकुर का कुआँ (प्रेमचंद), 3. आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद), 4.पत्नी (जैनेन्द्र), 5.रोज़ (अज्ञेय) और 6. तुमने क्यों कहा मैं सुन्दर हूँ (यशपाल)।

इकाई पाँच : कहानीकार : फणीश्वर नाथ रेणु, निर्मल वर्मा, उषा प्रियवंदा, शिवप्रसाद सिंह, भीष्म साहनी और मोहन राकेश।

निर्धारित छह कहानियाँ : 1. रसप्रिया (फणीश्वर नाथ रेणु), 2. परिंदे (निर्मल वर्मा), 3. वापसी(उषा प्रियवंदा), 4. कर्मनाशा की हार (शिवप्रसाद सिंह), 5.चीफ की दावत (भीष्म साहनी) और 6.मलबे का मालिक (मोहन राकेश)।

निर्देश : 205 : कथा साहित्य

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2. क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। इसके साथ ही **इकाई एक** से दो लघूत्तरीय प्रश्न तथा **इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच** के अंतर्गत निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे।

   ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न करना होगा। इसके साथ ही **इकाई एक** से एक लघूत्तरी प्रश्न तथा **इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच** से एक एक व्याख्या करनी होगी।

   ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं लघूत्तरीय प्रश्न / प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा लघूत्तरी प्रश्न एवं व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 205 : कथा साहित्य

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतीय राष्ट्रवाद और प्रेमचन्द : जितेन्द्र श्रीवास्तव , प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रेमचंद : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रेमचंद के आयाम, : ए अरविंदक्षान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद : डॉ0 सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. गोदान : राजगुरू ,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।
11. प्रेमचंद : नरेन्द्र कोहली , वाणी प्रकाशन दिल्ली।
12. प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन दिल्ली।
13. वाणभट्ट की आत्मकथा : पाठ पुनर्पाठ : सं0 मधुरेश , आधार प्रकाशन , नयी दिल्ली।
14. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया : देवेश ठाकुर , वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली।
15. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय : राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
16 .हिंदी उपन्यास : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र ,मयूर पेपरबैक्स ए–95 सेक्टर –नौएडा –1
19 .कहानी : नयी कहानी : डॉ0 नामवर सिंह ,लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
20. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगतिः डॉ0 हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
21. कहानी अनुभव और अभव्यक्तिः राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

22. हिंदी कहानी बीसवीं शताब्दी – डॉ0 श्याम गोविन्द : अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53
23. जनवादी कहानी पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तकः रमेश उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Third – Semester

HIN-301 : Hindi Sahitya Ka Itihas –II

(Aadhunik Kal)

हिदी साहित्य का इतिहास – II

(आधुनिक काल)

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : आधुनिककाल के साहित्य की पृष्ठभूमि

1.1– आधुनिक से अभिप्राय, आधुनिक बोध, आधुनिकता की अवधारणा एवं भारतीय आधुनिकता।

1.2– हिंदी साहित्य के संदर्भ में आधुनिक काल और उसके उदय की पृष्ठभूमि। नव जागरण। समाज सुधार एवं देशभक्ति का विकास।

1.3– खड़ी बोली गद्य के विकास का प्रारंभिक चरण।

इकाई दो : भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग

2.1– भारतेन्दु युग : भारतेन्दु और उनका मण्डल। भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

2.2– द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण । सरस्वती' पत्रिका एवं नागरी प्रचारणी सभा काशी की भूमिका। ।

2.3– द्विवेदी युग में ब्रजभाषा एवं खड़ीबोली काव्य धाराएँ। द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों (जगन्नाथदास रत्नाकर, रामनरेश त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सियारामशरण गुप्त) का सामान्यपरिचय। द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।।

इकाई तीन : छायावाद एवं उत्तर छायावाद

3.1– छायावाद की पृष्ठभूमि । स्वच्छंदतावाद और छायावाद। छायावाद और रहस्यवाद।

3.2– छायावादी काव्य की प्रवृत्तियाँ। छायावादी काव्य के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।

3.3– उत्तरछायावादी काव्य : पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ।उत्तर छायावादी प्रमुख कवियों (रामधारी सिंह,'दिनकर' बालकृष्ण शर्मा'नवीन', हरिवंश राय'बच्चन' और नरेन्द्र शर्मा) का सामान्य परिचय।

इकाई चार : प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

4.1– प्रगतिवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि। प्रगतिवादी आंदोलन और हिंदी में प्रगतिवादी काव्य ।

4.2– प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। प्रमुख प्रगतिवादी कवियों का सामान्य परिचय। प्रगतिवाद की देन।

4.3– 'तार सप्तक' और प्रयोगवाद। प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई पाँच : नयी कविता, साठोत्तरी कविता और समकालीन कविता :

5.1– नयी कविता का नामकरण एवं नयी कविता का आरंभ। नयी कविता काव्यधारा का विकास और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

5.2– साठोत्तरी कविता की पृष्ठभूमि। साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। साठोत्तरी कविता के प्रमुख प्रमुख कवियों (राजकमल चौधरी, दुष्यन्त कुमार और धूमिल) का सामान्य परिचय।

5.3– समकालीन कविता : समकालीनता से अभिप्राय एवं समकालीन कविता का स्वरूप। समकालीन काव्य की मूल प्रवृत्तियाँ।

निर्देश : 301: हिदी साहित्य का इतिहास - II (आधुनिक काल)

1.क– यह प्रश्नपत्र प्रमुखतः आधुनिक हिंदी कविता के इतिहास पर केन्द्रित है। इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 06 (क्रेडिट) का है।

05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क – इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 301: हिदी साहित्य का इतिहास - II (आधुनिक काल)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिं , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य : विजय मोहन सिं , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ: डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
8. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 रामकली सरा , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी।
9. आधुनिकतावाद : दुर्गा प्रसाद गुप्ता : अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53
10. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

11. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : डॉ0 कर्णसिंह चौहान , प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
13. प्रगतिशील कविता कल और आज : डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।
14. प्रयोगवाद, नई कविता और नकेनः मोहम्मद इम्तियाज खाँ, अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली
15. नई कविता : डॉ0 देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. नयी कविता की चिंतन भूमि : उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न0 दिल्ली।
18. साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. साहित्य और विचारधारा : ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा0 लि. पंचकूला, हरियाणा
20. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
21. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष : डॉ0रतन कुमार पाण्डेय , विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।
22. साहित्य और विचारधारा : ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा0 लि. पंचकूला, हरियाणा
23. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
24. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
25. समकालीन काव्य यात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर , नयी दिल्ली।
26. कविता में समकाल : रेवतीरमण, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
27. समकालीन लेखन में यथार्थवाद और जनवाद : आनंद प्रकाश(सं.), लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली।
28. समकालीन कविता : प्रश्न और जिज्ञासाएँ आनंद प्रकाश(सं.), लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Third – Semester

HIN-302 : Aadhunik Kavya (Chhayavad Tak)

आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्दः **'भारतेन्दु समग्र'** प्रकाशक हिंदी प्रचारक पब्लिकेशन,सी–21/310 पिशाचमोचिनी,वाराणसी।

निर्धारित कविताएँ : 'हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान शीर्षक' में से 10 दोहे :

दोहा संख्या : 5, 8, 11, 31, 32, 44, 58, 59 ,62, 63 तथा 'नये जमाने की मुकरी'

(ब) मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती, प्रकाशक साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी

निर्धारित पाठ : भविष्यत् खण्ड में से 'उद्‌बोधन' अंश।

इकाई दो : जयशंकर प्रसाद

निर्धारित पाठ 'कामायनी' से चिंता संर्ग

इकाई तीन : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

निराला : **'राग विराग'** (सं0 रामविलास शर्मा), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

निर्धारित तीन कविताएँ : 1.सरोज स्मृति, 2.राम की शक्तिपूजा एवं 3. वह तोड़ती पत्थर।

इकाई चार : सुमित्रानन्दन पंत एवं महादेवी वर्मा

(अ) पंत : 'तारापथ' (सं0 दूधनाथ सिंह), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

निर्धारित पाँच कविताएँ : 1.मौन निमंत्रण, 2.नौका विहार, 3.वाणी!, 4.लक्ष्य 5. चन्द्रकला।

(ब) महादेवी : 'संधिनी' लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

प्रस्तावित पाँच कविताएँ : 1.जो तुम आ जाते एक बार ,2. विरह का जलजात जीवन,

3.बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, 4. मधुर– मधुर मेरे दीपक जल।

5. पंथ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला ।

इकाई पाँच : रामधारी सिंह दिनकर एवं हरिवंश राय बच्चन

(अ) दिनकर : 'रश्मिरथी' (प्रथम सर्ग एवं तृतीय सर्ग)

(ब) हरिवंश राय बच्चन : 'निशा निमंत्रण' से प्रारंभिक 10 कविताएँ।

निर्देश : 302 : आधुनिक कविता (छायावाद तक)

1.क – इस प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 06 (क्रेडिट) का है।

05 क्रेडिट थ्योरी के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख – यह पाठ्यक्रम 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28अंक हैं। इस पर प्रकार इस पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो – दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएं करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 302 : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्र0 नयी दिल्ली।
2. मैथिली शरण गुप्त : एक मूल्यांकन, डॉ0 नगेन्द्र
3. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
5. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र, कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. मैथिली शरण गुप्त एक मूल्यांकन : डॉ0 नगेन्द, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. रामधारी सिंह दिनकर : सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. रामधारी सिंह दिनकर : सं0 मन्मथनाथ गुप्त, राजपाल एण्ड सन्ज़,,कश्मीरी गेट, दिल्ली।
9. अपने समय का सूर्य दिनकर : डॉ 0मन्मथनाथ गुप्त, आलेख प्रकाशन, नवीन शहदरा दिल्ली – 32
10. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकनः विनोद शाही, आधार प्रकाशन, प्रा0 लि0 पंचकूला (हरियाणा)
11. कामायनी विमर्श : भगीरथ दीक्षित, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. कामायनी का पुनर्मूल्यांकनः डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुमित्रानंदन पंत : सं0 बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज़ ,कश्मीरी गेट, दिल्ली।
16. निराला की साहित्य साधना भाग– एक, दो और तीन, डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. निरालाः आत्महंता आस्था :डॉ0 दूधनाथ सिंह लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
18. निराला का काव्य : डॉ0 बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन पंचकूला।
19. निराला : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा : डॉ0 रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
21. निराला : पुनर्मूल्यांकन : ए0 अरविंदाक्षन, आधार प्रकाशन, पंचकूला
22. निराला के सृजन सीमान्त : अर्चना वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

23. निराला : कवि–छवि : डॉ0 नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
24. प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
25. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
26.महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय , राजपाल एण्ड सन्ज़ कश्मीरी गेट , दिल्ली।
27.महादेवी : इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
28. महादेवी : आधुनिक कवि भाग – 1 , प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
29. सुमित्रानंदन पंत : आधुनिक कवि भाग – 2,साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
30. बच्चन : सं0 चन्द्रगुप्त विद्यालंकार : राजपाल एण्ड सन्ज़ कश्मीरी गेट, दिल्ली।
31.बच्चन : कविता और जीवन के अंतःसूत्र : डॉ0 सीमा जैन, स्वराज्य प्रकाशन , नयी दिल्ली।
32. रामधारी सिंह दिनकर : विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
33. छायावाद : नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।
34. छायावाद का सौंदर्यशास्त्री अध्ययन, कुमार विमल राजकमल प्रकाशन ,नयी दिल्ली।
35. छायावाद की प्रासंगिकता, रमेश चन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
36. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद।
37. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी।
38. आधुनिकतावाद : दुर्गा प्रसाद गुप्ता : अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53
39. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
40 हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
41. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
42. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द (सं.), प्रका. मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
43. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद, द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
44.. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Thired Semester

HIN-303 : Pashchatya Samiksha Siddhanta
पाश्चात्य समीक्षा – सिद्धान्त

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : प्लेटो एवं अरस्तू

1. प्लेटो : प्लेटो का काव्य(कला) संबंधी दृष्टिकोण : काव्य–सत्य, काव्य–सृजन–प्रक्रिया, काव्य–प्रसूत भावप्रवणता, काव्य का अनैतिक स्वरूप। प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त एवं दैवी प्रेरणा सिद्धान्त की समीक्षा।

1.2– अरस्तू के 'काव्यशास्त्र'('Poetics') का सामान्य परिचय। अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त : अनुकरण की परिभाषा, अनुकार्य अथवा अनुकरण का विषय, कवि अनुकरण और काव्य–सत्य।

1.3 – अरस्तू की त्रासदी संबधी धारणाएँ : त्रासदी का जन्म एवं उसका स्वरूप, त्रासदी के प्रमुख तत्व तथा त्रासदी का महत्व।

1.4 – विरेचन सिद्धान्त : 'विरेचन' शब्द का प्रयोग, विरेचन सिद्धान्त की विभिन्न व्याख्याएँ। त्रासदी का प्रभाव।

इकाई दो : लोंजाइनस(लोंगिनुस) एवं क्रोचे

2.1– लोंजाइनस (लोंगिनुस) : लोंजाइनस के ' पेरिइप्सुस' का समान्य परिचय। लोंजाइनस की उदात्त विषयक अवधारणा एवं उदात्त का स्वरूप।

2.2–उदात्त के स्रोत। उदात्त के बाधक तत्व।

2.3–क्रोचे : क्रोचे का अभिव्यजंनावाद का सिद्धान्त : ' अभिव्यंजना' अर्थात् कला सृजन की प्रक्रिया के स्तर।

2.4– अभिव्यंजना सिद्धान्त संबधी कुछ अन्य अवधारणाएँ : सहजानुभूति और कला, विषय–वस्तु, अभिव्यंजनाकी अखंडता। अभिव्यंजनावादी समीक्षा पद्धति।

इकाई तीन : वर्डसवर्थ एवं कालरिज

3.1– वर्डसवर्थ की काव्य संबंधी अवधारणा : काव्य की परिभाषा, काव्य का प्रयोजन।

3.2– वर्डसवर्थ की काव्यभाषा विषयक अवधारणा और उसकी आलोचना।

3.3– कालरिज का कल्पना संबधी सिद्धान्त ।

3.4– कालरिज का कविता एवं काव्य–भाषा संबंधी दृष्टिकोण।

इकाई चार : टी.एस. इलियट एव आई. ए. रिचर्ड्स

4.1–टी. एस. इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा । निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त। वस्तुमूलक प्रतिरूपत। भावबोध वियोजन।

4.2– आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य - सिद्धान्त । संप्रेषण सिद्धान्त। काव्यभाषा सिद्धान्त।

इकाई पाँच : मैथ्यू आर्नल्ड एवं नयी समीक्षा (न्यू क्रिटिस्जिम)

5.1 काव्य के संबंध में मैथ्यू आर्नल्ड की धारणा। आलोचक और आलोचना संबंधी अवधारणा।

5.2 नयी समीक्षा (न्यू क्रिटिस्जिम) : नयी समीक्षा का प्रारंभ और नामकरण। नयी समीक्षा में प्रयुक्त होने वाले विशेष पारिभाषिक शब्द (1.शब्द विधान,2. प्रतीकात्मक व्यापार, 3.तनाव, 4.भंगिमा, 5. विरोधाभास, 6.अनेकार्थकता)।

5.3–नयी समीक्षा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ या विशेषताएँ। नयी समीक्षा की शक्ति और सीमाएँ।

निर्देश : 303 : पाश्चात्य समीक्षा - सिद्धान्त

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।
   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
   ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।
2. क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो – दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।
   ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।
   ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 303 : पाश्चात्य समीक्षा - सिद्धान्त

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्रों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भः डॉ सत्यदेव मिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, नईदिल्ली।
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतनः सं0 निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रवीन्द्रसहाय वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।
8. प्लेटो के काव्य सिद्धान्त : निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सं. डॉ. नगेन्द्र और डॉ. सावित्री सिन्हा, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
10. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
11. उदात्त के विषय में : डॉ. निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. काव्य में उदात्त तत्व : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. नेमिचन्द्र जैन(अनुवादक), राजपाल एंड संस, दिल्ली।
13. मैथ्यू आर्नाल्ड : राम सेवक सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
14. काव्य में अभिव्यंजनावाद : डॉ. लक्ष्मी नारायण सुधांशु, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
15. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, डॉ. कुसुम बांठिया, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
16. आई. आर. रिचर्डस के काव्य सिद्धान्त : शम्भुदत्त झा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
17. नयी समीक्षा के प्रतिमान : डॉ. निर्मला जैन (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
18. नयी समीक्षा : नये संदर्भ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद : डॉ. नगेन्द्र(सं.) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Thired – Semester

HIN-304 - I : Samakalin Bhartiya Sahitya
समकालीन भारतीय साहित्य

Time : 3 Hours (ESE) | Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : भारतीयता और भारतीय साहित्य

भारतीयता की परिकल्पना। भारतीय साहित्य का स्वरूप। परम्परा और आधुनिकता। समकालीन भारतीय यथार्थ। भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई दो : कविता (पंजाबी)

प्रस्तावित कविता संग्रह : **'बीच का रास्ता नहीं होता' (अवतार सिंह पाश),**राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित बीस कविताएँ : 1. भारत, 2.लोहा, 3.सच, 4. मेरी माँ की आँखें, 5. अब मेरा हक बनता है, 6.कातिल, 7.जन्मदिन, 8.हाथ, 9.हम लड़ेगे साथी, 10.संविधान,11.तूफान कभी मात नहीं खाते, 12.पुलिस के सिपाही से, 13. जिन्दगी / मौत, 14.जहाँ कविता खत्म नहीं होती, 5.इन्कार, 16.मैं अब विदा लेता हूँ, 17. युद्ध और शान्ति, 18. तीसरा महायुद्ध, 19. अपनी असुरक्षा से और 20 सबसे खतरनाक।

इकाई तीन : नाटक (कन्नड़)

निर्धारित नाटक : **अग्नि और बरखा(गिरीश करनाड)**, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई चार : उपन्यास(उड़िया)

निर्धारित उपन्यास : ' **द्रौपदी'(प्रतिभा राय)** , राजपाल एण्ड संस ,नई दिल्ली।

इकाई पांच : आत्मकथा (मराठी)

निर्धारित आत्मकथा **'अक्करमाशी' (शरण कुमार लिम्बाले)** ,ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।

निर्देश : 304 - I **समकालीन भारतीय साहित्य**

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक

28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। इसके साथ ही **इकाई एक** से दो लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे तथा **इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच** के अंतर्गत निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल निर्धारित पाठों पर केन्द्रित होंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न करना होगा और **इकाई एक** से एक लघूत्तरी प्रश्न तथा **इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच** से एक–एक व्याख्या करनी होगी।

ग – प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं लघूत्तरीय प्रश्न / प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए= 5X10 =50 अंक तथा लघूत्तरी प्रश्न/व्याख्याओं के लिए =5X 04= 20 अंक।कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 304 - I : समकालीन भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : के. सच्चिदानन्दन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. किस प्रकार है यह भारतीयता : यू. आर. अनन्तमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3, आजादी के बाद का भारत : बिपन चंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दि. वि. वि., दिल्ली।
4.साहित्य और भारतीय एकता :सं. शिरशंकरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5.शताब्दी के ढलते वर्षों में : निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश : डॉ0 रामविलास शर्मा, किताबघर, नयी दिल्ली।
7. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
8. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास
9. भारतीय साहित्य : सं. डॉ नगेन्द्र

————0————

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Thired – Semester

HIN-304 - II : Sahitya Anuvad Ke Samanya Siddhant
साहित्य अनुवाद के सामान्य सिद्धान्त

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : अनुवाद और उसकी प्रक्रिया

1.1– अनुवाद की परिभाषा एवं अवधारणा। अनुवाद की प्रकृति एवं स्वरूप। अनुवाद के क्षेत्र एवं अनुवादक के गुण।

1.2– अनुवाद की प्रक्रिया। अनुवाद की प्रक्रिया का सामान्य परिचय : प्रतिशब्द चयन, नवशब्द निर्माण, एवं ग्रहण, अनुकूलन, लिप्यंतरण।

इकाई दो : अनुवाद चिंतन और अनुवाद सिद्धान्त

2.1– कैटफर्ड, नाइडा, न्यूमार्क और हैडिल का अनुवाद सिद्धान्त।

2.2– प्रतीक सिद्धान्त और संप्रेषण सिद्धान्त

2.3– समतुल्यता सिद्धान्त एवं अनुवाद के अन्य आधुनिक सिद्धान्त।

इकाई तीन : साहित्यिक पाठ और उसके पुनर्निमाण की समस्याएँ

3.1– साहित्य पाठ के पुननिर्माणकी समस्याएँ – पाठ की प्रकृति की पहचान एवं विधापरक पुनर्रचना की समस्या। मूलमुक्त एवं मूलबद्ध अनुवाद।

3.2– स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा की भिन्नता जनक समस्याएँ : शब्दचयन, ग्रहण, साहित्यिक अनुकूलन, नवशब्द निर्माण और लिप्यंतरण। बिंब, प्रतीक, मुहावरे और लोकाक्तियाँ। कोड मिक्सिंग की समस्या एवं वाक्य एवं शैलीगत समस्या। सामाजिक एवं आँचलिकता संबंधी समस्याएँ तथा संप्रेषणपरक समस्याएँ।

इकाई चार : प्रमुख विधागत अनुवाद : प्रविधि और चुनौतियाँ

4.1– काव्यानुवाद की समस्याएँ (काव्यभाषा, काव्य की पारिभाषिक शब्दावली, बिंब, प्रतीक, छंद, अलंकार, लय, मिथक आदि के संदर्भ में) ।

4.2– कहानी और उपन्यास के अनुवाद की समस्याएँ (भाषा, वाक्यरचना, शैलीपरक प्रयोग, कथन भंगिमा, परिवेश एवं कथावस्तु आदि के संदर्भ में)।

4.3– नाटक के अनुवाद की समस्याएँ (भाषा, वाक्यरचना, शैलीपरक प्रयोग, कथनभंगिमा, कथावस्तु और सामाजिक, सांस्कृतिक व रंगमंचीय आदि संदर्भ में)।

इकाई पाँच : साहित्य के अनुवाद का पुनरीक्षण, संपादन, समीक्षा एवं मूल्याँकन

5.1 साहित्य के अनुवाद का पुनरीक्षण एवं संपादन।

5.2– अनुवादनीयता एवं अननुवादनीयता।

5.3– साहित्य की विभिन्न विधाओं के अनुवाद की समीक्षा और मूल्याँकन।

निर्देश : 304 - II : **साहित्य अनुवाद के सामान्य सिद्धान्त**

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा

सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 304 - II : **साहित्य अनुवाद के सामान्य सिद्धान्त**

अनुवाद के सिद्धान्त और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली।

अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग : प्रो. गोपीनाथन, लोकभारती, दिल्ली।

अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार, दिल्ली।

अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन,दिल्ली।

पाठ विश्लेषण : दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दागार, दिल्ली।

काव्यानुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दागार, दिल्ली।

काव्यानुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ: डा. नगीन चंद्र सहगल, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

साहित्य अनुवाद संवाद और संवेदना : आरसु

शैली और शैली विश्लेषण : शशि भूषण सीतांशु

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Thired – Semester

HIN-304 – III : Poorvottar Bharat Aur Hindi
पूर्वोत्तर भारत और हिन्दी

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : पूर्वोत्तर भारत का परिचय

1.1– पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों का भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं आर्थिक परिचय।

1.2– पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों का सामाजिक एवं साँस्कृतिक परिचय।

इकाई दो : पूर्वोत्तर भारत और हिंदी कविता

2.1– हिंदी कविता के विकास में पूर्वोत्तर भारत का योगदान।

2.2– हिंदी कविता में पूर्वोत्तर भारत ।

इकाई तीन : पूर्वोत्तर भारत और हिंदी कथा साहित्य

3.1– हिंदी कथा साहित्य के विकास में पूर्वोत्तर भारत का योगदान।

3.2– हिंदी कथा साहित्य में पूर्वोत्तर भारत ।

इकाई चार : पूर्वोत्तर भारत और हिंदी की कथेत्तर गद्य विधाएँ

4.1– हिंदी की कथेत्तर गद्य विधाओं के विकास में पूर्वोत्तर भारत का योगदान।

4.2– हिंदी की कथेत्तर गद्य विधाओं में पूर्वोत्तर भारत ।

इकाई पाँच : पूवोत्तर भारत में हिंदी का पठन–पाठन

5.1– पूर्वोत्तर भारत में हिंदी के पठन–पाठन के विभिन्न स्तर और उसकी वर्तमान स्थिति।

5.2– पूर्वोत्तर भारत में हिंदी के पठन–पाठन की चुनौतियाँ और संभावनाएँ।

निर्देश : 304-III . **पूर्वोत्तर भारत और हिन्दी**

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्न=5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 304 - III : पूर्वोत्तर भारत और हिन्दी

1. पूर्वोत्तर भारत के राज्य : माता प्रसाद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. सीमान्त की सप्तपदी : प्रो. सत्यमित्र दुबे, अरावली बुक इन्टरनेशनल, नई दिल्ली।
3. पूर्वांचल प्रदेश में हिंदी भाषा और साहित्य : डॉ. सी. इ. जीनी. वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. मणीपुरी साहित्य और संस्कृति : जवाहर सिंह, अखिल भारतीय साहित्य संस्था संघ, दिल्ली।
5. ब्रह्मपुत्र के किनारे–किनारे : सागरमल सांगानेरिया
6. मिजोरम : सं. रामलाल पारीक, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, 34 कोटला मार्ग, नयी दिल्ली।
7. मेघालय : सं. रामलाल पारीक, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, 34 कोटला मार्ग, नयी दिल्ली।
8. मणिपुर : सं. डॉ. जगमल सिंह, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, 34 कोटला मार्ग, नयी दिल्ली।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Thired – Semester

HIN-305 : Sahitya-Chintan Ke Vividha Vad
साहित्य–चिन्तन के विविध वाद

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : स्वच्छन्तावाद एवं मनोविश्लेषणवाद

1.1– स्वच्छन्दतावाद : स्वच्छदतावाद की पूर्वपीठिका, स्वछन्दतावाद की अर्थ और परिभाषा। स्वच्छन्दतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। हिंदी आलोचना पर स्वच्छंदतावाद का प्रभाव।

1.2– मनोविश्लेषणवाद : सिग्मंड फ्रायड, एल्फ्रेड एडलर और सी.जी युंग की प्रमुख अवधारणाएँ। साहित्य, साहित्यालोचन एवं मनोविश्लेषण का संबंध अर्थात मनोविश्लेषण की संदर्भ में कला, कला का लक्ष्य, सृजनप्रक्रिया, प्रतिभा तथा आलोचना का स्वरूप। हिंदी आलोचना पर मनोविश्लेषणका प्रभाव।

इकाई दो : आदर्शवाद, यथार्थवाद एवं मार्क्सवाद

2.1– आदर्शवाद का उद्‌भव और विकास, आदर्शवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा मान्यताएँ।

2.2– यथार्थवाद का उद्‌भव और विकास, यथार्थवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं मान्यताएँ।

2.3– मार्क्सवादी चिंतन के मूल आधार। कला और सौंदर्यशास्त्र के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण। समाजवादी यथार्थवाद। हिंदी आलोचना पर मार्क्सवाद का प्रभाव।

इकाई तीन : प्रतीकवाद, बिम्बवाद एवं रूपवाद

3.1– प्रतीक और प्रतीकवाद। प्रतीकवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और मान्यताएँ।

3.2– बिंब और बिंबवाद। बिंबवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और मान्यताएँ।

3.3– रूपवाद की अवधारणा एवं विकास। रूपवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं मान्यताएँ।

इकाई चार : अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद एवं उत्तरआधुनिकतावाद

4.1– अस्तित्ववाद की पृष्ठभूमि और अवधारणा। अस्तित्ववाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा मान्यताएँ। हिंदी साहित्य पर अस्तित्ववाद का प्रभाव।

4.2– आधुनिक,आधुनिकीकरण, आधुनिकता और भारतीय आधुनिकता। आधुनिकता और आधुनिकतावाद। आधुनिकतावाद की परिभाषा एवं अवधारणा। आधुनिकतावाद का देश–काल। अधुनिकतावाद के मूल तत्व। आधुनिकतावाद का साहित्य पर प्रभाव।

4.3– उत्तर–आधुकितावाद की अवधारणा । आधुनिकतावाद बनाम उत्तर आधुनिकतावाद। उत्तर–आधुनिकतावाद के मूल तत्व। साहित्य में उत्तर–आधुनिकतावाद।

इकाई पाँच : संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद और विखंडन(विनिर्मितवाद)

5.1– संरचना और संरचनावाद। संरचनावाद की अवधारणा। संरचनावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं मान्यताएँ।

5.2– संरचनावाद और उत्तर संरचनावाद। उत्तरसंरचनावाद की अवधारणा। उत्तरसंरचनावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं मान्यताएँ। विखंडन से तात्पर्य। देरदा की विखंडनवादी अवधारणा। विखंडनवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं मान्यताएँ।

निर्देश 305 : साहित्य–चिन्तन के विविध वाद

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए = 5X10 =50 अंक तथा पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के लिए 5 X 04 = 20 अंक हुए। कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 305 : साहित्य–चिन्तन के विविध वाद

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ0रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्रों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भः डॉ सत्यदेव मिश्र, लोकभारतीप्रकाशन, नईदिल्ली।
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतनः सं0 निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद : डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रवीन्द्रसहाय वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सं. डॉ. नगेन्द्र और डॉ. सावित्री सिन्हा, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
9. नयी समीक्षा के प्रतिमान : डॉ. निर्मला जैन (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. नयी समीक्षा : नये संदर्भ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद : डॉ. नगेन्द्र(सं.) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
12. रोमांटिक साहित्यशास्त्र : देवराज उपाध्याय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
13. मनोविश्लेषणवाद और साहित्यालोचना : प्रो. के. अहमद(अनु. देवेन्द्रनाथ शर्मा), भारती भवन पटना।
19. हिंदी आलोचना के वैचारिक सरोकार : डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

20. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी पर उसका प्रभाव : डॉ. रवीन्द्र सहाय वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
21. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन : प्रो. निर्मला जैन(सं.) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
22. साहित्य का समाजशास्त्र और रूपवाद : डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
23. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद : डॉ. शिवप्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
24. नयी कविता और अस्तित्ववाद : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
25. आधुनिकताबोध और आधुनिकीकरण : डॉ. रमेशकुंतल मेघ, मैकमिलन, दिल्ली।
26. साहित्य और आधुनिक युगबोध : देवेन्द्र इस्सर, कृष्णा ब्रदर्स, अजमेर(राजस्थान)
27. उत्तर आधुनिकता : साहित्य और संस्कृति की नयी सोच : देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
28. उत्तर आधुकिता और उत्तर संरचनावाद : सुधीश पचौरी, हिमाचल पुस्तक भंडार, दिल्ली।
29. रियलिज्म एण्ड रियलिटी : मीनाक्षी मुखर्जी, ऑक्सफोर्ड, नई दिल्ली।
30. जनवादी समझ और साहित्य : रामनारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
31. जनवादी समझ : चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।
33. संस्कृति वर्चस्व और प्रतिरोध : पुरूषोत्तम अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
34. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
35 .अंधेरे समय में विचार : विजय कुमार, संवाद प्रकाशन, मेरठ।
36. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
37. उत्तरआधुनिक विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
38. उत्तरऔपनिवेशिकता के स्रोत और हिन्दी साहित्य : प्रणय कृष्ण, लोकभारती, इलाहाबाद।
39. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचन्द नारंग, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
40. वैश्वीकरण के दौर में : रामशरण जोशी, समयांतर प्रकाशन, नई दिल्ली।
41. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा, हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली।
42. विद्रोही स्त्री : जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-401 : Hindi Aalochana
हिंदी आलोचना

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : आलोचना की अवधारणा एवं हिंदी आलोचना का प्रारंभ

1.1– आलोचना की अवधारणा। आलोचना के मुख्य प्रकार।

1.2– आलोचक के गुण। आलोचना की उपादेयता।

1.3– शुक्लपूर्व हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि और उसका जन्म। शुक्लपूर्व प्रमुख हिंदी आलाचकों(बालकृष्ण भट्ट, भारतेन्दु हरिश्चन्द, प्रेमघन, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु और पद्मसिंह शर्मा, पं. कृष्णबिहारी मिश्र, लाला भगवानदीन) का सामान्य परिचय।

1.4– आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना–दृष्टि की विशेषताएं।

इकाई दो : शुक्ल युग

2.1– आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त। काव्य में लोक मंगल की साधना का प्रतिमान

2.2– आचार्य शुक्ल की व्यवहारिक समीक्षा। आलोचक के रूप में रामचंद्र शुक्ल का मूल्याँकन।

2.3– छायावादी आलोचना दृष्टिः छायावादी कवियों(प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी) की आलोचना दृष्टि का सामान्य परिचय। आलोचक के रूप में शांतिप्रिय द्विवेदी का योगदान।

इकाई तीन : शुक्लोत्तर हिन्दी आालोचना-I

3.1– आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि। छायाावाद एवं छायावादी कवियो के प्रति दृष्टि। आलोचक के रूप में आचार्य नंददुलारे वाजपेयी का मूल्याँकन।

3.2– डॉ. नगेन्द्र की काव्य दृष्टि एवं साहित्यिक मान्यताएँ। रस सिद्धान्त की व्याख्या। आलोचना–पद्धति। आलोचक के रूप में डॉ. नगेन्द्र का मूल्याँकन।

3.3– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का मनुष्य–सापेक्ष चिन्तन एवं आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में आचाार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का मूल्याँकन।

इकाई चार : शुक्लोत्तर हिन्दी आालोचना-II

4.1– डॉ. रामविलास शर्मा : मार्क्सवादी चिंतन दृष्टि, भाषा और समाज, परंपरा का मूल्याँकन, 'हिंदी जाति की अवधारणा एवं हिंदी की जातीय परंपरा, नवजागरण की अवधारणा। भक्तिआंदोलन, रामचंद्रशुक्ल, निराला का मूल्याँकन तथा नयी कविता के प्रति दृष्टि। आलोचक के रूप में डॉ. रामविलास शर्मा का मूल्याँकन।

4.2– डॉ. नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि। 'इतिहास और आलोचना', 'छायावाद' 'कविता के नये प्रतिमान' में व्यक्त आलोचनापरक धारणाएँ। आलोचक के रूप में नामवर सिंह का मूल्याँकन।

4.3– डॉ. मैनेजर पाण्डेय की आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में डॉ. मैनेजर पाण्डेय का मूल्याँकन।

4.4–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना दृष्टि।आलोचक के रूप में डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी का मूल्याँकन।

इकाई पाँच : कवि–आलोचक

5.1– मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि। 'आधुनिक भावबोध', 'यथार्थवाद', 'रचना–प्रक्रिया,''फैंटसी', 'विश्वदृष्टि'. 'संवेदनात्मक ज्ञान और ज्ञानात्मक संवेदना' संबंधी मुक्तिबोध की अवधारणा। आलोचक के रूप में मुक्तिबोध का मूल्याँकन।

5.2– अज्ञेय की आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में अज्ञेय का मूल्याँकन।

5.3– विजयदेव नारायण साही की आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में साही का मूल्याँकन।

5.4– नरेश मेहता की आलोचना दृष्टि। आलोचक के रूप में नरेश मेहता का मूल्याँकन।

निर्देश : 401 : हिन्दी आलोचना :

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क – इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो – दो लघूत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्नों एवं पाँच लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए 5X10 =50 अंक और पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के लिए 5X 04 = 20 अंक होंगे। कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 401 : हिन्दी आलोचना

1.हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2.हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.आलोचना शिखरों से साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4.हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.आलोचना की धारणाएं : रेने वेलक, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़।
6.बालकृष्ण भट्ट : सत्यप्रकाश मिश्र, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
7.सुकवि संकीर्तन : महावीर प्रसाद द्विवेदी, गंगा पुस्तकमाला, लखनउ।
8.रसज्ञ रंजन : महावीर प्रसाद द्विवेदी, साहित्य रत्न भंडार, आगरा।
9.विचार विमर्श : इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।
10.हिन्दी नवरत्न : गंगा पुस्तकमाला कार्यालय, लखनउ।
11.पद्मपराग : संपादक पारसनाथ सिंह, भारती पब्लिशर्स, पटना।
12.हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
13.चिंतामणि, पहला भाग : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्र. सभा, वाराणसी।
14.चिंतामणि, दूसरा भाग : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाराणसी।
15.रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्र. सभा, वाराणसी।
16.त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्र. सभा, वाराणसी।
17.हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी : नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18.आधुनिक साहित्य : नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
19.नया साहित्य नये प्रश्न : नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्यामण्दिर, वाराणसी।
20.आधुनिक काव्य रचना और विचार : नन्ददुलारे वाजपेयी, साथी प्रकाशन, सागर।
21.विचार और वितर्क : हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
22.साहित्य सहचर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
23.कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
24.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
25.हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
26.सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
27.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
28.आस्था और सौन्दर्य :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
29.निराला की साहित्य साधना :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

30.प्रेमचन्द और उनका युग :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
31.महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
32.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं : :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
33.भाषा, साहित्य और संस्कृति, :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
34.नई कविता और अस्तित्ववाद :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
35.छायावाद : नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
36.आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह, लोकभारती, नई दिल्ली।
37.इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
38.कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती, नई दिल्ली।
39.कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
40.दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
41.वाद विवाद संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्लीं
42.आस्था के चरण : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
43.रस सिद्धान्त : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
44.विचार और अनुभूति : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
45.कामायनी के अध्ययन की समस्याएं : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
46.भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
47.शब्द और कर्म : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
48.साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
49.भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
50.साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
51.अनभै सांचा : मैनेजर पाण्डेय, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
52.आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
53.संकट के बावजूद : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
54.मेरे साक्षात्कार : मैनेजर पाण्डेय, किताबघर, नई दिल्ली।
55.मैं भी मुंह में जबान रखता हूं : मैनेजर पाण्डेय, यश पब्लिकेसंस, नई दिल्ली।
56.छठवां दशक : विजयदेव ना. साही, लोकभारती, इलाहाबाद।
57.काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध : जयशंकर प्रसाद।
58.पल्लव : सुमित्रानन्दन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
59.प्रबंध प्रतिमा : निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
60.प्रबंध पद्म : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
61.नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
62.एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
63.कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
64. हिंदी के रचनाकार आलोचक : योगेश प्रताप शेखर, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली–2।

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-402 : Adhunik Kavya (Chhayavaad Ke Baad)
आधुनिक काव्य (छायावाद के बाद)

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : ही.स. वा.'अज्ञेय'

निर्धारित तीन कविताएँ : 1.द्वितीया, 2. नदी के द्वीप एवं 3. असाध्य वीणा।

इकाई दो : मुक्तिबोध

निर्धारित कविता : अंधेरे में ।

इकाई तीन : नागार्जुन, त्रिलोचन एव शमशेर

(अ)– नागार्जुनः निर्धारित पाँच कविताएँ : 1.अकाल और उसके बाद, 2.प्रतिबद्ध हूं,
3.बादल को घिरते देखा है 4.शासन की बन्दूक, 5.यह तुम थीं।

(ब)–त्रिलोचन 'दिगंत' से निर्धारित छह सोनेट :1.वह अँजोरिया रात, 2.ध्वनिग्राहक 3.नया वर्ष,
4.काशी का जुलाहा, 5. चित्र, 6.अपराजेय।

(स)– शमशेर बहादुर सिंह :निर्धारित दो कविताएँ : 1.मै भारत गुण गौरव गाता,
2.टूटी हुई बिखरी हुई

इकाई चार : भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय एवं केदारनाथ सिंह

(अ)– भवानीप्रसाद मिश्र : निर्धारित दो कविताएँ : 1.गीत फरोश, 2.सतपुड़ा के घने जंगल।

(ब)– रघुवीर सहाय : निर्धारित तीन कविताएँ: 1.रामदास, 2.हँसो हँसो जल्दी हँसो, 3.दो अर्थों का भय

(स)–केदारनाथ सिंह : निर्धारित तीन कविताएँ : 1. बनारस, 2. पानी की प्रार्थना, 3.कुदाल।

इकाई पांच : कुँवरनारायण, धूमिल, दुष्यन्त कुमार

(अ)– कुँवरनारायण : निर्धारित तीन कविताएँ :1.नीम के फूल, 2.एक अजीब सी मुश्किल,
3. भाषा की ध्वस्त पारिस्थितिकी में।

(ब)– धूमिल : निर्धारित कविता : पटकथा ।

(स)– दुष्यन्त कुमार : निर्धारित पाँच गजलें : 1. हो गई है पीर पर्वत सी ,2 कहाँ तो तय था चिराग़ा हरेक घर के लिए, 3.मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूँ, 4. यह मत कहो आकाश में कोहरा घना है।

निर्देश : 402 : आधुनिक काव्य (छायावाद के बाद)

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है।
05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक

28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएं करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्नों के लिए 5X10 =50 अंक तथा पाँच व्याख्याओं के लिए 5X 04 = 20 अंक होंगे। कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 402 : आधुनिक काव्य (छायावाद के बाद)

1. प्रतिबद्धता और मुक्तिबोध का काव्य : प्रभात त्रिपाठी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
2. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. मुक्तिबोध की कविताई : अशोक चक्रधर राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. नागार्जुन : सं0 प्रभाकर माचवे, राजपाल एण्डसन्ज़ कश्मीरी गेट, दिल्ली।
6. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. कवियों का कवि शमशेर : सविता भार्गव, स्वजराज्य प्रकाशन नयी दिल्ली।
8. तार सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
9. दूसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
10. तीसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
11. अज्ञेय का काव्य : शब्द और सत्य : अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन , नयी दिल्ली।
12. अज्ञेय कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद , वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली।
13. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंद किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
14. भवानी प्रसाद मिश्र : सं0 विजय बहादुर सिंह, राजपाल एण्ड सन्ज़ कश्मीरी गेट, दिल्ली।
15. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार : कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. कुँवरनारायण – संसार : यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली।
17. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
18.. समकालीन काव्य यात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर , नयी दिल्ली।

————0————

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-403- I : Sahityakar Vishesha : KABIRDAS
साहित्यकार विशेष : कबीरदास

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : निर्गुण भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका। कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व। संत काव्य परंपरा में कबीर का वैशिष्ट्य कबीर के निर्गुण ब्रह्म का स्वरूप।

इकाई दो : कबीर के काव्य का भाव पक्ष : रूढ़िभंजक और सुधारक कबीर। कबीर के निर्गुण का स्वरूप। कबीर की भवित भावना। कबीर की रहस्य साधना। कबीर की दार्शनिक चेतना। कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर।

इकाई तीन : कबीर का अभिव्यजंना पक्ष : कबीर की भाषा, अप्रस्तुत विधान, एवं काव्य–रूप आदि।

इकाई चार : निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **'कबीर ग्रंथावली'**, सं. श्यामसुंदर दास में से आरंभिक सौ साखियाँ ।

इकाई पांच : निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **'कबीर ग्रंथावली'**, सं. श्यामसुंदर दास में से 25 पद

1.दुलहनीं गावहु मंगलाचार। 2. एक अचंभा देख्या रे भाई। 3. झगरा एक नबेरो रांम। 4. पंडित बाद बदैं ते झूठा। 5. हम न मरैं मरिहै संसारा । 6. काहे री नलनीं तूं कुमिलांनी। 7. अवधू जोगी जग थैं न्यारा । 8. बागड़ देश लूवन का घर है। 9. अवधू गगन मंडल घर कीजै। 10. का मांगूं कछु थिर न रहाई । 11. हरि जननी मैं बालक तोरा 12. डगमग छाड़ि दे मन मोरा। 13. पंडित होइ सु पदहि विचारै, मूरख नाहिंन बूझै। 14 संतौ धोखा कासूं कहिए। 14. हरिजन हंस दसा लियैं डोलैं। 15. जतन बिन मृगनि खेत उजारे। 16. हरि गुन सुमरि रे नर प्राणीं। 17. एक अचंभा ऐसा भया। 18. जो मैं ग्यान विचार न पाया। 19. अवधू सो जोगी गुर मेरा। 20 अवधू जागत नीदं न कीजै। 21. हे हरि जन थैं चूक परी। 21. ऐसे लोगनि सूं का कहिए। 22. मन रे तन कागद का पुतरा। 23. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी। 24. एक अचंभा देखा रे भाई। 25. नरहरि सहजैं हीं जिनि जांनां।

निर्देश : 403- I :**साहित्यकार विशेष : कबीरदास**

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में इकाई एक, दो और तीन में प्रत्येक से दो–दो निबंधात्मक

प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को इकाई एक, दो और तीन से एक–एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।

ख– इकाई तीन और चार में से प्रत्येक से चार–चार पद्यांश व्याख्या के लिए दिये जायेंगे। परीक्षाथी को इकाई तीन और चार में प्रत्येक से दो–दो पद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 07 अंकों की होगी।

ग – इस प्रकार इस प्रश्न के अंतर्गत मुख्य परीक्षा में तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3X10 =30 अंक, तीन लघूत्तरी प्रश्न = 3X04 = 12 अंक तथा चार व्याख्याएँ =4X 07 = 28 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 403- I : **साहित्यकार विशेष : कबीरदास**

1. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. कबीर और उनका दर्शन : डॉ0 रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, न0 दिल्ली।
3. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
5. कबीर के आलोचक : डॉ0 धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. कबीर परिचर्चा : , कल्यामल लोढ़ा, रामनाथ तिवारी, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली – 2
7. कबीर काव्य कोश : वासुदेव सिंह, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली – 2
8. हिंदी की निर्गुण काव्ययधारा और कबीर : डॉ0 राजदेव सिंहः आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली32
9. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. भवित आंदोलन इतिहास और संस्कृति : संपादक , कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. भक्तिकाव्य और लोक जीवन : शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13 .भवित काव्य का समाजशास्त्र : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर ,राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।

————0————

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-403- II : Sahityakar Vishesha : SOORDAS
सहित्यकार विशेष : सूरदास

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : सूर और उनका युग । सगुण भक्तिकाव्य का स्वरूप। सूर की दार्शनिक पृष्ठभूमि(वल्लभ दर्शन और पुष्टिमार्ग,) सूर का व्यक्तित्व और कृतित्व।

इकाई दो : सूर का भाव पक्ष : भक्तिभावना, वात्सल्य वर्णन, माधुर्य और श्रृंगार वर्णन, संयोग और वियोग वर्णन, सौंदर्य बोध, लोकतत्व आदि।

इकाई तीन : भ्रमरगीति परंपरा और सूर के भ्रमरगीत की अंतर्वस्तु, विदग्धता, सूर की राधा आदि। सूर का अभिव्यंजना पक्ष : भाषा, गीति तत्व, अप्रस्तुत विधान आदि।

कृष्ण भक्ति काव्यपरंपरा में सूर का वैशिष्ट्य।

इकाई चार : निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'सूर सौरभ' में प्रारंभ से पद संख्या 90 तक।
संपादक : नंद किशोर आचार्य, प्रका. वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई पांच : निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'सूर सौरभ' में पद संख्या 91 से पद संख्या 189 तक।
संपादक : नंद किशोर आचार्य, प्रका. वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

निर्देश : 403- II **: साहित्यकार विशेष : सूरदास**

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में इकाई एक, दो और तीन में प्रत्येक से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को इकाई एक, दो और तीन से एक–एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।

ख– इकाई तीन और चार में से प्रत्येक से चार–चार पद्यांश व्याख्या के लिए दिये जायेंगे। परीक्षाथी को इकाई तीन और चार में प्रत्येक से दो–दो पद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 07 अंकों की होगी।

ग – इस प्रकार इस प्रश्न के अंतर्गत मुख्य परीक्षा में तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3X10 =30 अंक, तीन लघूत्तरी प्रश्न=3X04=12 अंक तथा चार व्याख्याएँ =4X07= 28 अंक, कुलयोग=70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 403- II **साहित्यकार विशेष : सूरदास**

1. सूरदास : भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
3. महाकति सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
4. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. ब्रजलोक साहित्य और संस्कृति : डॉ0 राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
6. सूरदास : सं0 सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
7. सूर की सांस्कृति चेतना और उसका युगबोध : संतराम वैश्य, भारतीग्रंथ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली।
8. सूर का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण : लालबहादुर श्रीवास्तव, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दरियागंज, नयी दिल्ली।
9. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. भवित आंदोलन इतिहास और संस्कृति : संपादक, कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. भक्तिकाव्य और लोक जीवन : शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. भवित काव्य का समाजशास्त्र : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर ,राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
16. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

————0————

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-403- III : Sahityakar Vishesha : TULASIDAS
सहित्यकार विशेष : तुलसीदास

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : तुलसी और उनका युग। सगुण भक्ति काव्य का स्वरूप। तुलसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। तुलसी की सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि। रामभक्ति काव्य परंपरा में तुलसी का वैशिष्ट्य।

इकाई दो : तुलसी का भाव पक्ष : लोक मंगल। समन्वय की भावना। सामाजिक – पारिवारिक आदर्श एवं मर्यादा। तुलसी की भक्ति भावना। तुलसी का दर्शन। रामचरित मानस की प्रबंध कल्पना। रामचरित मानस की प्रबंध कल्पना। रामराज्य की परिकल्पना। युग–बोध।

इकाई तीन : तुलसी का अभिव्यंजना पक्ष : तुलसी की काव्य–दृष्टि, काव्यरूप, भाषा, छंद, अप्रस्तुत विधान आदि।

इकाई चार : 1. **'श्रीरामचरितमानस'** : गोस्वामी तुलसीदास : गीता प्रेस, गोरखपुर में से पूरा **अयोध्या काण्ड।**

2. **'कवितावली'** : गोस्वामी तुलसीदास : गीता प्रेस, गोरखपुर में से पूरा उत्तर काण्ड।

इकाई पांच : 1. **'विनय पत्रिका'** : गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर में से कुल दस पद :

1. जागु जागु जीव जड़ जौहे जग जामिनी 2. तू दयालु दीन हौं तू दानि हैं भिखारी

3.सुन मन मूढ़ सिखावन मेरो 4.ऐसी मूढ़ता या मन की 5. अबलौं नसानी अब न नसैंहों,

6.ऐसो को उदार जग माहीं, 6. मैं हरि पतित पावन सुने 8.जो मोहि राम लागते मीठे 9. कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो, 10. जाके प्रिय न राम वैदेही।

2.**'दोहावली' :** गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर में से आरंभिक 50 दोहे।

निर्देश : 403- III : **साहित्यकार विशेष : तुलसीदास**

.1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2. क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में इकाई एक, दो और तीन में प्रत्येक सेदो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं दो–दो लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को इकाई एक, दो और तीन से एक–एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक–एक लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।

ख– इकाई तीन और चार में से प्रत्येक से चार–चार पद्यांश व्याख्या के लिए दिये जायेंगे। परीक्षाथी को इकाई तीन और चार में प्रत्येक से दो–दो पद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 07 अंकों की होगी।

ग– इस प्रकार इस प्रश्न के अंतर्गत मुख्य परीक्षा में तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3X10 =30 अंक, तीन लघूत्तरी प्रश्न = 3X04 = 12 अंक तथा चार व्याख्याएँ =4X 07 = 28 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ 403- III: साहित्यकार विशेष : तुलसीदास

1. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास : माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. रामकथा : डॉ0 कामिल बुल्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. लोकवादी तुलसी : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. तुलसी दर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र , साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
7. तुलसी और उनका युग : राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल,वाराणसी।
8. मानस का काव्य शास्त्रीय अनुशीलन : राजकुमार पाण्डेय, अनुसंधान प्रकाशन , कानपुर।
9. तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल, इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
10. मानस दर्शन : श्री कृष्ण लाल, हिन्दी परिषद प्रयाग।
11. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. भवित आंदोलन इतिहास और संस्कृति : संपादक , कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. भक्तिकाव्य और लोक जीवन : शिवकुमार मिश्र , राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. भवित काव्य का समाजशास्त्र : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. भक्ति काव्य की भूमिका : प्रेमशंकर ,राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।
16. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।
17. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-403- IV : Sahityakar Vishesha : Premchand

साहित्यकार विशेष : प्रेमचंद

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : उपन्यास

निर्धारित उपन्यास : 1. सेवा सदन 2. कर्मभूमि

इकाई दो : उपन्यास

निर्धारित उपन्यास : 1. निर्मला 2. रंगभूमि

इकाई तीन : कहानियाँ :

निर्धारित कहानियाँ : 1. ईदगाह, 2. मंत्र, 3. नशा, 4. बड़े भाई साहब, 5.पूस की रात, 6.शतरंज के खिलाड़ी 7. सद्गति ।

प्रस्तावित कहानी संग्रह : ' शतरंज के खिलाड़ी' सं. नन्दकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई चार : कहानियाँ

निर्धारित कहानियाँ : 1.सवा सेर गेहूँ. 2. बड़े घर की बेटी, 3.पंच परमेश्वर, 4. बूड़ी काकी, 5. नमक का दरोगा, 6. परीक्षा एवं 7. कफन।

प्रस्तावित कहानी संग्रह : ' शतरंज के खिलाड़ी' सं. नन्दकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई पांच : नाटक और निबंध एवं अन्य विचार :

नाटक : कर्बला

निबंध : निर्धारित चार निबंध : साहित्य का उद्देश्य, 2. उपन्यास, 3. महाजनी सभ्यता 4. राष्ट्रभाषाहिंदी और उसकी समस्याएँ ।

निर्देश : 403-IV : साहित्यकार विशेष : प्रेमचंद

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2 .क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक – एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएं करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 403- IV साहित्यकार विशेष : प्रेमचंद

1.हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3.भारतीय राष्ट्रवाद और प्रेमचन्द : जितेन्द्र श्रीवास्तव, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।

4.प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.प्रेमचंद : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.प्रेमचंद के आयाम, : ए अरविंदक्षान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7.प्रेमचंद : डॉ0 सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.गोदान : राजगुरू ,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

9.प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10.कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11.प्रेमचंद : नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

12.प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन दिल्ली।

13.कहानी : नयी कहानी : डॉ0 नामवर सिंह,लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

14. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ0 हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

15. कहानी अनुभव और अभव्यक्ति : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

16.हिंदी कहानी बीसवीं शताब्दी – डॉ0 श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53

17. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

18. हिंदी उपन्यास : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

19. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।

20. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ0 देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

21. हिंदी कहानी बीसवीं शताब्दी : डॉ0 श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली –53

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-403- V : Sahityakar Vishesha : SURYA KANT TRIPATHI 'NIRALA'
साहित्यकार विशेष : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) =40

इकाई एक : निराला और उनका युग। निराला का व्यक्तित्व और कृतित्व। निराला की वैचारिक दृष्टि।

इकाई दो : काव्य

1. राग – विराग : संपादक : रामविलास शर्मा, से सभी कविताएं। प्रका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. तुलसीदास : निराला (संपूर्ण), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई तीन : उपन्यास

1. बिल्लेसुर बकरिहा : निराला राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. कुल्ली भाट : निराला, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई चार : कहानी

1.सुकुल की बीबी : निराला, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. चतुरी चमार : निराला , राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

इकाई पांच : निबंध

1. प्रबंध प्रतिमा : निराला , राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।

2. चाबुक : निराला, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली।

निर्देश :403- V : **साहित्यकार विशेष : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**

1.क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। इसके साथ ही इकाई एक से दो लघूत्तरीय प्रश्न और इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच के अंतर्गत निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न करना होगा। इसके साथ ही इकाई एक से एक लघूत्तरी प्रश्न तथा इकाई दो, तीन, चार एवं पाँच से एक–एक व्याख्या करनी होगी।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं लघूत्तरीय प्रश्न/प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार मुख्य परीक्षा में पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा एक लघूत्तरी प्रश्न एवं चार व्याख्याएं = 5 X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ : 403-V साहित्यकार विशेष : निराला

1.निराला की साहित्य साधना भाग– एक, दो और तीन, डॉ0 रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2.निरालाः आत्महंता आस्था :डॉ0 दूधनाथ सिंह लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

3.निराला का काव्य : डॉ0 बच्चन सिंह , आधार प्रकाशन पंचकूला

4.निराला : डॉ0 रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशनदिल्ली।

5.निराला की कविताएँ और काव्य भाषाा : डॉ0 रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद।

6.निराला : पुनर्मूल्यांकन : ए0 अरविंदाक्षन, आधार प्रकाशन पंचकूला

7.निराला के सृजन सीमान्त : अर्चना वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली।

8.निराला : कवि–छवि : डॉ0 नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।

9.प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह , स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10.प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

11.छायावाद : नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

12.छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, कुमार विमल राजकमल प्रकाशन ,नयी दिल्ली।

13.छायावाद की प्रासंगिकता, रमेश चन्द्र शाह वाग्देवी प्रकाशन बीकानेर।

14.हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद।

15.समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 रामकली सराफ , विश्वविद्यालय प्रकाशन वारणसी।

16.आधुनिकतावाद : दुर्गा प्रसाद गुप्ता : अंनग प्रकाशन , उत्तरी घोण्डा, दिल्ली–53

17.छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

18.हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर , वाणी प्रकाशन दिल्ली।

19.हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा , काशी।

20.हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1

21.हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

22.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-404 : Samkaleen Hindi Sahitya
समकालीन हिन्दी साहित्य

Time : 3 Hours (ESE) Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इकाई एक : उपन्यास

निर्धारित दो उपन्यास :

1. दीवार में एक खिड़की रहती थी (लेखकः विनोद कुमार शुक्ल)
2. जहाँ बाँस फूलते हैं (लेखकः श्री प्रकाश मिश्र)

इकाई दो : नाटक

निर्धारित दो नाटक

1. कोर्ट मार्शल (लेखक : स्वदेश दीपक)
2. जिन लाहौर नई वेख्या ओ जन्म्याइ नई (लेखक : असगर वजाहत)

इकाई तीन : कहानी

निर्धारित पाँच कहानियाँ :

1. तिरिछ (लेखक :उदय प्रकाश)
2. तिरिया चरित्तर (लेखक : शिवमूर्ति)
3. सलाम (लेखक : ओमप्रकाश वाल्मीकि)
4. शापग्रस्त (लेखक : अलिखलेश)
5. खरगोश (लेखक : प्रियंवद)

इकाई चार : कविता

निम्नलिखित छह कवियों की कविताएँ :

1.अशोक वाजपेयी : निर्धारित तीन कविताएँ–1. अपनी आसन्न प्रसवा माँ के लिए तीन गीत।
2. जब हम प्यार करने हैं एवं 3. पूर्वजों की अस्थियों में।

2.आलोक धन्वा : निर्धारित दो कविताएँ – 1.सफेद रात 2. कपड़े के जूते।

3.मंगलेश डबराल : निर्धारित तीन कविताएँ – 1. तस्वीर, 2.संगतकार 3 भूमंडलीकरण

4.राजेश जोशी : निर्धारित तीन कविताएँ – 1. बच्चे काम पर जा रहे हैं,
2.चाँद की वर्तनी, 3.दो पंक्तियों के बीच

5.अरुण कमल :निर्धारित तीन कविताएँ – 1. अपनी केवल धार, 2.नये इलाके में,
3. पुतली में संसार

6.अष्टभुजा शुक्ल :: निर्धारित दो कविताएँ – 1. हलन्त् 2. अबकी बार ।

इकाई पांच : संस्मरण, साक्षात्कार एवं यात्रावृत्तांत

(अ)संस्मरण : निर्धारित निम्नलिखित दो संस्मरण :

1.– गरबीली गरीबी (काशीनाथ सिंह)

2.– जी हीं जाने हैं आह मत पूछो (काशीनाथ सिंह)

(ब)साक्षात्कार : निर्धारित निम्नलिखित दो साक्षात्कार :

1.– निर्मल वर्मा (प्रेम कुमार)

2.– डॉ. विष्णुकान्त शास्त्री (प्रेमकुमार)

प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : साधना से साक्षात्कार (सं.प्रेम कुमार), प्रका. भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली.2

(स) यात्रावृतान्त : निर्धारित निम्नलिखित दो यात्रावृतान्त :

1. – विशाल विराट हिमालय में (कृष्णा सोबती)
2. – लेह और लद्दाख में (कृष्णा सोबती)

निर्देश : 404 : समकालीन हिन्दी साहित्य

1.क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

2.क– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में प्रत्येक इकाई से दो–दो निबंधात्मक प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो–दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे।

ख– परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक- एक निबंधात्मक प्रश्न एवं एक – एक व्याख्या करते हुए कुल पाँच निबंधात्मक प्रश्न एवं पाँच व्याख्याएँ करनी हैं।

ग– प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक एवं प्रत्येक व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।इस प्रकार मुख्य परीक्षा में, पाँच निबंधात्मक प्रश्न = 5X10 =50 अंक तथा व्याख्याएं =5X 04 = 20 अंक, कुल योग = 70 अंक होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची : 404 : समकालीन हिन्दी साहित्य

1.हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2.. श्रीप्रकाश मिश्र की साहित्य–साधना की परख : सं. सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर, उ.प्र.।

3.आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद जैन।

4.समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच : जयदेव तनेजा।

5.आज की हिन्दी कहानी : विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ0 हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7.कहानी अनुभव और अभिव्यक्ति : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.हिन्दी कहानी अस्मिता की तलाश : मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

9..साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

10.कविता में समकाल : रेवती रमण , रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा।

11.कविता की मुक्ति : नन्दकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

12.जनवादी समझ और साहित्य : रामनारायण शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

13.जनवादी समझ : चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

14.संस्कृति वर्चस्व और प्रतिरोध : पुरूषोत्तम अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

15.आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

16. समकालीन कविता : प्रश्न और जिज्ञासाएँ : आनंद प्रकाश, लोकमित्र प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली–32 ।

———0———

M. A . : HINDI : Revised Syllabus according CBCS

Fourth – Semester

HIN-405 : **Term Paper**

अवधि पत्र

Full Marks : 30 (CCA) + 70 (ESE) = 100

Pass Marks : 12(CCA) +28(ESE) = 40

इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत दिये विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 5000 शब्दों टंकित टर्म पेपर प्रस्तुत करना है। जिन छात्रों ने वैकल्पिक प्रश्नपत्र के अंतर्गत साहित्य अनुवाद के सामान्य सिद्धान्त प्रश्नपत्र का चयन किया है वे अगर चाहें तों टर्म पेपर के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में से विभाग द्वारा निश्चित किये गये किसी टैक्सट्स का हिंदी में अनुवाद प्रस्तुत कर सकते हैं।

————0————